वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 29 | मंगलवार 30 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान में समन्वय कर बनाएं समग्र विकास की राह: बागड़े

पूर्णिमा विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्राचीन भारत में आठ लाख गुरुकुल थे। इनमें व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाता था।

गुरुकुल में समग्र जीवन से जुड़ा ज्ञान विद्यार्थियों को मिलता था। इसमें नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान से आधुनिक विज्ञान के विकास के समन्वय से भारत के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है। बागड़े सोमवार को पूर्णिमा विश्वविद्यालय में विद्याभारती के सहयोग से आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 16 वीं शताब्दी में महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक चक्रपाणी मिश्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने विश्व वल्लभ ग्रन्थ लिखा। इसमें भू जल की खोज, मौसम की भविष्यवाणी, जल शुद्धिकरण, कुंड निर्माण, बावड़ियां और पर्यावरण संरक्षण की विरल जानकारिया हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रन्थ बागवानी, वृक्ष से संबंधित बीमारियां, उन्हें दूर करने के उपायों, कृषि वानिकी आदि की उन्नत तकनीक पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां लिए है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा की यही विशेषता रही है कि वह युगीन संदर्भों में ऐसी उपयोगी तकनीक से जुड़ी थी, जिसे आज आधुनिक विज्ञान कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी। हमारे यहां शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नहीं थी बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास से जुड़ी रही है। इसमें नैतिकता को सबसे अधिक प्रमुखता दी गई थी। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने भी गुरुकुल शिक्षा पद्धति से शिक्षा पाई। इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम हुए। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने दशरथ से राम को आश्रमों में राक्षसों के उत्पात से बचाने के लिए मांग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने ही सिखाया कि हिंसा का प्रतिकार कई बार जब उसी भाषा में नहीं दिया जाता तो हिंसा से ग्रस्त डरपोक समाज बनता है। हिंसा का प्रतिकार ही हमारे यहां अहिंसा का सर्वोत्तम मार्ग है।

हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे

राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजो ने जब देश पर शासन किया तब जो गजेटियर निकाले उनमें यह सामने आया कि हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे। भारत तब बहुत बड़ा था। पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका आदि भारत में ही थे। गुरुकुल में शिक्षा निःशुल्क थी। इनका खर्च आम जन के सहयोग से निकलता था। प्राचीन शिक्षा में ज्ञान मौखिक रूप में अधिक प्रचलित था। श्रुति परंपरा के साथ शिष्य ज्ञान का श्रवण करते थे। उस पर चिंतन और मनन करते थे। व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाएं थी। इनका ज्ञान विद्यार्थी पाते थे। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में समग्र ज्ञान दिया जाता था। शिक्षा कौशल से जुड़ी थी। उन्होंने रणकपुर के जैन मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा कि शिल्प में यह इसीलिए अद्वितीय है कि इसका निर्माण कला कौशल से हुआ था। राज्यपाल ने कहा कि लार्ड मैकाले ने इसीलिए भारत की शिक्षा पद्धति बदली कि यहां तब नैतिकता प्रबल थी। समृद्ध विरासत थी। अंग्रेजों ने इसलिए यह तरकीब निकाली की देश की शिक्षा पद्धति यदि बदल दी जाती है तो लंबे समय तक देश को गुलाम बनाए रखा जा सकता है। इसके अंतर्गत देश के उद्योग धंधे बंद कर दिए गए। देश के निवासियों को भूखे मरने पर बाध्य किया गया। उन्होंने महर्षि कणाद की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अणु परमाणु का ज्ञान सदियों पहले विश्व को दे दिया था परंतु आधुनिक विज्ञान में उनका नाम नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि दशमलव पद्धति का ज्ञान भारत से शुरू हुआ। इसी से दुनिया में गिनती प्रारम्भ हुई। उन्होंने कहा कि पश्चिम में टुकड़ों टुकड़ों में ज्ञान देने की परम्परा है वहीं भारत आरम्भ से ही समग्र ज्ञान के विज्ञान से जुड़ा रहा। प्राचीन भारत कला, चिकित्सा, धातुविज्ञान आदि सभी में अग्रणी था।

जयपुर ट्रैफिक पुलिस को मिले एलईडी डिस्प्ले और सोलर स्मार्ट बैरिकेड

जयपुर. कासं। ट्रैफिक पुलिस जयपुर को आईआईएफएल फाउंडेशन की ओर से 100 बेरिकैड दिए जा रहे हैं, जिनमें से 10 बेरिकैड सौर ऊर्जा से संचालित हैं। अजमेरी गेट स्थित यादगार में ये बेरिकैड फाउंडेशन की डायरेक्टर, मधु जैन द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात पुलिस पश्चिम, समीर दुब, यातायात पुलिस उत्तर, हरिप्रसाद सोमानी और यातायात पुलिस दक्षिण, रानू शर्मा को सौंपे गए। एलईडी डिस्प्ले, हाई-विजिबिलिटी फ्लैश लाइट्स और रिफ्लेक्टिव सेफ्टी फीचर्स से लैस, इन बेरिकैड के माध्यम से रात को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश जैसे हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट लगाएं, शराब पीकर वाहन न चलाएं।

हावड़ा में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न, 150 लोगों ने उठाया लाभ

मुख्य अतिथि मंत्री उमेश राय ने आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने का किया आह्वान

हावड़ा. शाबाश इंडिया

विवेक विहार, फोरश रोड स्थित समता भवन में रविवार को श्री महावीर विद्या जैन परिवार के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। संस्था द्वारा पिछले सात महीनों में आयोजित यह छठा सेवा शिविर था। शिविर में लगभग 150 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में एएसजी आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नेत्र परीक्षण कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। वहीं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर की टीम ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच सेवाएं उपलब्ध कराईं। इस दौरान शुगर, यूरिया, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड, बीयूएन एवं ईसीजी सहित कई महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गईं। साथ ही दंत रोग, अस्थि रोग तथा स्त्री रोग विशेषज्ञों ने भी मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। देश के प्रख्यात आयुवेर्दाचार्य वैद्य डॉ. राधेश्याम श्रीवास्तव ने शिविर में उपस्थित लोगों को आयुर्वेद आधारित स्वस्थ जीवनशैली एवं रोगों की रोकथाम संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के रवि दुग्गड़ ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री उमेश राय ने अपने संबोधन में आयुर्वेद की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि संतुलित एवं स्वस्थ जीवन जीने का वैज्ञानिक आधार है। उन्होंने कहा कि नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों से आधुनिक जीवनशैली के साथ आयुर्वेद के सिद्धांतों को भी अपनाने का आग्रह किया। शिविर का आयोजन प्रेम जैन, शिखा जैन, ज्ञान जैन, सीमा जैन, नवीन जैन, स्नेह जैन, यशवर्धन जैन, सिद्धांत जैन, खुशी जैन एवं प्रणय जैन के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंकज जैन, मनोज जैन (केपी), सुरेंद्र जैन सेठी, राजेश कला, मनोज बागड़ा, दीपक सिंघानिया, महेंद्र जैन, महावीर धारीवाल, कमल बैद, चिराग जैन, संजय अग्रवाल सहित विवेक विहार क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। समापन अवसर पर आयोजकों ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

भारत विकास परिषद वैशाली शाखा ने दो दिवसीय पौध वितरण अभियान चलाया

3,251 पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरण के उद्देश्य से दो दिवसीय निःशुल्क पौध वितरण अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान के तहत कुल 3,251 पौधों का वितरण कर नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 27 जून को परिषद के संस्थापक प्रेरणा पुरुष डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती के अवसर पर खातीपुरा स्थित जनक पार्क, ऑफिसर्स कैंपस में स्थानीय नागरिकों को 251 तुलसी के पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. सूरज प्रकाश को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सेवा, संस्कार एवं समाज निर्माण के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। साथ ही तुलसी के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं औषधीय महत्व की जानकारी भी दी गई। अभियान के दूसरे चरण में 28 जून को प्रातः 8 से 11 बजे तक शाखा कार्यालय, 194 अंजनी मार्ग, हनुमान नगर विस्तार में प्रतिवर्ष की भांति 3,000 पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक नागरिकों एवं परिषद सदस्यों ने भाग लिया। प्रत्येक व्यक्ति को 5 से 10 पौधे वितरित किए गए, जिनमें फलदार, फूलदार, छायादार एवं सजावटी पौधे शामिल थे। उपस्थित लोगों से अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण कर जयपुर को अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रमों में भारत विकास परिषद के संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संयोजक संपर्क रणवीर त्यागी, क्षेत्रीय संयोजक महिला सहभागिता कविता साहनी, प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं प्रांतीय संयोजक पर्यावरण मनोज कुमार मित्तल, प्रांतीय समन्वयक आईटी एवं प्रचार महेश मंगल, श्रीचंद चोटिया, डॉ. अनिरुद्ध साहनी, प्रांतीय प्रकल्प समन्वयक गुंजन सक्सेना, शाखा अध्यक्ष गोवर्धन शर्मा, शाखा सचिव चैनाराम सेपट, शाखा कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, महिला सहभागिता संयोजक प्रिया भारती अग्रवाल, संस्कार संयोजक सुदेश स्वरूप राय, पर्यावरण संयोजक ब्रिगेडियर रिपु सूदन, सेवा संयोजक नरेश चंगिया, उप सचिव अनिल जैन, प्रकल्प प्रमुख पियूष सोनी जैन, जसवंत सिंह, मीना सैनी, नीलकमल भाटी, मंजू गोयल, रितु मंगल, माया शर्मा, श्यामा शर्मा, प्रिया सिंहा, शीला शर्मा, पुष्पा सोनी, सरोज वर्मा, सोनिया मेहता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं सामाजिक सहभागिता के ऐसे अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ा जा सके।

आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ का रौनक पार्क में भव्य मंगल प्रवेश

एक जुलाई को होगा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर का शिलान्यास, सत्य को जीवन जीने की कला बताया

टोंक. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ससंघ का रविवार प्रातः श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया, तेरापंथियान, पुरानी टोंक से मंगल विहार होकर रौनक पार्क में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मार्गभर श्रद्धालुओं ने जयघोषों, जैन ध्वजों एवं भक्ति नृत्य के साथ आर्यिका संघ का स्वागत किया। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातः श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया में आर्यिका विज्ञा श्री के पावन सान्निध्य में भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक, वृहद शांतिधारा तथा अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके पश्चात धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञा श्री ने कहा कि ?सत्य केवल बोलने का विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि सत्य के मार्ग पर चलने के लिए साहस, धैर्य, सहनशीलता और आत्मबल आवश्यक हैं। विपरीत परिस्थितियों, आलोचनाओं

अथवा विलंब से मिलने वाले परिणामों के बावजूद जो व्यक्ति सत्य पर अडिग रहता है, वही वास्तविक अर्थों में सत्य का साधक कहलाता है। उन्होंने कहा कि सहनशीलता सत्य की सबसे सुंदर शक्ति है, जो सत्य को करुणा, विनम्रता और गरिमा के साथ अभिव्यक्त करना सिखाती है। सत्य में स्थित व्यक्ति स्वयं को सिद्ध करने का प्रयास नहीं करता, बल्कि उसका श्रेष्ठ एवं संतुलित आचरण ही उसके सत्य का प्रमाण बन जाता है। धर्मसभा के पश्चात मंगल विहार का भव्य जुलूस घंटाघर, पांच बत्ती, बड़ा कुआं एवं आदर्श नगर होते हुए रौनक पार्क पहुंचा। मार्ग में श्रद्धालु हाथों में जैन ध्वज लेकर जयकारे लगाते हुए भक्ति भाव से नृत्य करते चले। अनेक स्थानों पर श्रावकों ने अपने निवास के बाहर आर्यिका माता का चरण पक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संजय जैन अरनिया (केदार वाले) ने बताया कि आर्यिका विज्ञा श्री के पावन सान्निध्य में 1 जुलाई को रौनक पार्क में ?श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर? का भव्य शिलान्यास समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, मंगल प्रवचन, शिलान्यास, भूमि पूजन, वास्तु विधान तथा स्वर्ण, रजत एवं ताम्र शिलाओं की स्थापना की जाएगी। सभी धार्मिक अनुष्ठान प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनोज जैन शास्त्री (बागरोही) के निर्देशन में सम्पन्न होंगे। समारोह में मोहनलाल, मदनलाल, पदमचंद एवं ज्ञानचंद छामुनिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा, जबकि स्वर्गीय केसरलाल, स्वर्गीय फूलचंद, स्वर्गीय गुलाबचंद एवं स्वर्गीय चंदालाल गोयनका परिवार मुख्य शिलान्यासकर्ता होंगे। मंदिर समिति ने बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की है।

कोटा की पावन धरा पर धर्मरूपी त्रिवेणी का ऐतिहासिक महामिलन, भावविभोर हुआ हाड़ौती

तीन मुनिसंघों एवं भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के दुर्लभ समागम के साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

कोटा. शाबाश इंडिया

हाड़ौती की पावन धरा ने रविवार को धर्म, विनय और वात्सल्य के अद्भुत संगम का ऐतिहासिक साक्षात्कार किया। परम पूज्य मुनि श्री 108 निरोग सागर जी महाराज ससंघ, मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 निस्पृह सागर जी महाराज तथा भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का दुर्लभ समागम कोटा में सम्पन्न हुआ। इस अलौकिक दृश्य ने हजारों श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पिछले कई महीनों से हाड़ौती का क्षेत्र जैन धर्म की प्रभावना से आलोकित है। एक ओर कोटा में विराजमान मुनि श्री निरोग सागर जी महाराज ससंघ धर्म प्रचार एवं जैन शासन की प्रभावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं, वहीं भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी अपने प्रवचनों, तप-साधना और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में धर्म जागरण का कार्य कर रही हैं। इसी क्रम में रामगंजमंडी में लंबे समय तक विराजमान रहे मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निस्पृह सागर जी महाराज के सान्निध्य में भगवान शांतिनाथ एवं कुंथुनाथ की प्रतिमाओं को दिव्य स्वरूप प्रदान करने, भगवान अरहनाथ के नगर आगमन तथा प्रस्तावित भव्य जिनालय के भूमि-पूजन एवं शिलान्यास जैसे अनेक ऐतिहासिक धार्मिक कार्य सम्पन्न हुए, जिन्होंने क्षेत्र के धार्मिक इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़े। रविवार प्रातः रामगंजमंडी से मंगल विहार करते हुए मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निस्पृह सागर जी महाराज का संघ कोटा पहुंचा। कॉमर्स कॉलेज चौराहे पर उनके गुरुभाई मुनि श्री निरोग सागर जी महाराज ससंघ ने स्वयं अगवानी की। जैसे ही दोनों मुनिसंघ आमने-सामने आए, गुरु भाइयों के स्नेहपूर्ण मिलन से पूरा वातावरण जयघोषों से गूंज उठा। विनय, आत्मीयता और आध्यात्मिक प्रेम का यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया। इसी दौरान भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी भी दर्शनार्थ पहुंचीं। उन्होंने विनयपूर्वक समस्त मुनिसंघ के चरणों में वंदन कर श्रद्धाभाव से संघ की परिक्रमा की। यह आध्यात्मिक दृश्य उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर गया। इसके पश्चात बैंड-बाजों और जयघोषों के बीच समस्त मुनिसंघ का भव्य मंगल प्रवेश तलवंडी दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ, जहां विशाल धर्मसभा आयोजित की गई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने सम्यक दर्शन को मोक्षमार्ग का प्रथम सोपान बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी

महाराज ससंघ से स्वस्तिधाम तीर्थ एवं भगवान मुनिसुव्रतनाथ के दर्शनार्थ पधारने का विनम्र आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से इन मुनिराजों के दर्शन की अभिलाषा थी, जो आज पूर्ण हुई। अपने मंगल प्रवचन में मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी महाराज ने कहा कि मुनियों का दर्शन अत्यंत दुर्लभ होता है तथा उनका सान्निध्य और सेवा मानव जीवन को धन्य बना देते हैं। उन्होंने रामगंजमंडी में सम्पन्न धार्मिक कार्यों की सराहना करते हुए श्री राकेश मडिया के समर्पण की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। वहीं मुनि श्री निरोग सागर जी महाराज ने कहा कि गुरुभाइयों से लगभग ढाई वर्ष बाद हुआ यह मिलन अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने रामगंजमंडी में हुए धार्मिक कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। इस ऐतिहासिक महामिलन के साक्षी बनने के लिए कोटा के साथ-साथ बूंदी, झालावाड़, रामगंजमंडी, भानपुरा एवं हाड़ौती अंचल के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का कहना था कि ऐसा दिव्य, दुर्लभ और अलौकिक समागम विरले ही देखने को मिलता है। रविवार का यह ऐतिहासिक दिवस हाड़ौती के धार्मिक इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

– अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी

राजनीति

सम्मान की गरिमा

डॉ. सत्यवान सौरभ

साहित्य किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना का आधार होता है और साहित्यकार उसके संवेदनशील प्रहरी। वे अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज के विचार, मूल्य और इतिहास को शब्द देते हैं। इसलिए किसी साहित्यकार का सम्मान केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज द्वारा उसकी साधना, सृजनशीलता और सांस्कृतिक योगदान का सार्वजनिक सम्मान होता है। इसी संदर्भ में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की वर्तमान कार्यप्रणाली को लेकर साहित्यिक जगत में अनेक प्रश्न उठ रहे हैं। लंबे इंतजार के बाद साहित्यकारों को सम्मान तो प्रदान किए गए, किंतु जिस प्रकार यह प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने प्रसन्नता के साथ-साथ असंतोष भी जन्म दिया। अनेक सम्मानित साहित्यकारों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सम्मान में अपेक्षित आत्मीयता और गरिमा का अभाव महसूस हुआ। सम्मान का महत्व केवल उसकी राशि में नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित आदर में होता है। सम्मान-पत्र किसी रचनाकार की वर्षों की साधना का सामाजिक प्रमाण होता है। इसलिए उसके प्रत्येक शब्द, हस्ताक्षर और औपचारिकता का प्रतीकात्मक महत्व होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ सम्मान-पत्रों में सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर दिखाई नहीं दिए। यदि इसके पीछे कोई प्रशासनिक या विधिक कारण था, तो अकादमी को साहित्यकारों के समक्ष स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए थी। संस्थाओं का विश्वास केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि पारदर्शी संवाद से भी बनता है। साहित्यकार आज भी उन गरिमामय आयोजनों को याद करते हैं, जब राज्यपाल भवन में सम्मान समारोह आयोजित होते थे और पूरा वातावरण साहित्य के उत्सव में बदल जाता था। ऐसे आयोजनों में सम्मान केवल प्रदान नहीं किया जाता था, बल्कि साहित्य की प्रतिष्ठा का सार्वजनिक उत्सव मनाया जाता था। आज अनेक रचनाकार उसी आत्मीयता की कमी महसूस करते हैं। चिंता केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अकादमी की साहित्यिक सक्रियता को लेकर भी सवाल उठे हैं।

संपादकीय

हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा ने भारत-सेशेल्स संबंधों को नई ऊंचाई देने के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'महासागर' विजन को भी मजबूत आधार प्रदान किया है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री की उपस्थिति दोनों देशों के 50 वर्षों पुराने राजनयिक संबंधों की प्रगाढ़ता का प्रतीक रही। इस दौरान उन्हें सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू

होराइजन' से सम्मानित किया गया, जो भारत के प्रति वहां के विश्वास और मित्रता का सशक्त संदेश है। सेशेल्स पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेने के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की तथा राष्ट्रीय असेंबली को संबोधित किया। यात्रा के दौरान उन्होंने नेशनल बॉटैनिकल गार्डन में विश्व के सबसे वृद्ध स्थलीय जीव माने जाने वाले विशालकाय कछुए 'जोनाथन' को देखा और नवशक्ति विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इन कार्यक्रमों ने कूटनीतिक संबंधों को सांस्कृतिक और मानवीय आयाम भी प्रदान किए। हिंद महासागर के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित सेशेल्स आकार में भले ही छोटा द्वीपीय राष्ट्र हो, लेकिन समुद्री सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति के दृष्टिकोण से इसका रणनीतिक महत्व अत्यंत बड़ा है। वर्ष 2015 के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह दूसरी सेशेल्स यात्रा दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी को नई दिशा देती है। वार्ता के दौरान समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष, शिक्षा तथा विधिक सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौतों पर सहमति बनी। भारत ने सेशेल्स को एक आधुनिक फास्ट पेट्रोल वेसल भेंट कर उसकी समुद्री निगरानी क्षमता को और सुदृढ़ किया। दोनों देशों ने हिंद महासागर को 'अवसरों का महासागर' बनाने के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन से प्रभावित छोटे द्वीपीय देशों की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए भारत की 'सागर' तथा 'महासागर' पहल के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को और गति देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। भारत लंबे समय से सेशेल्स का भरोसेमंद विकास साझेदार रहा है। आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं, क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास जैसे क्षेत्रों में भारत का सहयोग लगातार बढ़ा है। इस यात्रा के दौरान स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल प्रौद्योगिकी से जुड़ी नई पहलों पर भी सहमति बनी। भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत तथा सशस्त्र बलों का दल राष्ट्रीय दिवस परेड में शामिल हुआ, जिसने दोनों देशों के रक्षा संबंधों और पारस्परिक विश्वास को और मजबूत किया। सेशेल्स में बसे भारतीय मूल के लोगों के साथ प्रधानमंत्री की मुलाकात ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को भी नई ऊर्जा दी। नवशक्ति विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना और स्थानीय नागरिकों तथा बच्चों के साथ उनकी आत्मीय बातचीत ने इस यात्रा को जनसंपर्क का भी प्रभावशाली स्वरूप प्रदान किया।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नई शिक्षा क्रांति की ओर बढ़ता भारत

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारतीय विद्यार्थियों को विदेश जाने की अनिवार्यता धीरे-धीरे समाप्त होती दिखाई दे रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, इलिनोइस टेक, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी और एबरडीन जैसे प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने स्वतंत्र कैंपस स्थापित कर रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अब तक 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट जारी कर चुका है और इनमें से अधिकांश अगस्त से अपना पहला शैक्षणिक सत्र प्रारंभ करेंगे। यह पहल केवल शिक्षा के विस्तार तक सीमित नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति मिलने से उच्च शिक्षा का नया अध्याय शुरू हुआ है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, आधुनिक शोध सुविधाएं और वैश्विक अवसर अपने ही देश में उपलब्ध कराना है। इससे विदेश में पढ़ाई पर होने वाला भारी खर्च कम होगा और अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ हो सकेगी। इन विश्वविद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि भारत स्थित कैंपस का पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और डिग्री पूरी तरह उनके मूल विदेशी परिसर के समान होगी। विद्यार्थियों को वही शैक्षणिक गुणवत्ता, आधुनिक शिक्षण पद्धति और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होगी, जो विदेश में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलती है। ये संस्थान केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उद्योग और नवाचार से भी विद्यार्थियों को जोड़ेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क ने मुंबई के युवा उद्यमियों के संगठन के साथ साझेदारी की है, जबकि इलिनोइस टेक अपने भारतीय परिसर में विदेशी अनुभवी प्रोफेसरों की नियुक्ति कर वैश्विक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है। प्रवेश प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत सरल रखी गई है। सामान्यतः बारहवीं में लगभग 75 प्रतिशत तथा स्नातक स्तर पर 55 से 70 प्रतिशत अंक अपेक्षित होंगे। अंग्रेजी विषय में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले कई विद्यार्थियों को आईईएलटीएस जैसी परीक्षा से भी छूट मिल सकती है। साथ ही छात्रों को एक या दो सेमेस्टर संबंधित विदेशी कैंपस में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और वैश्विक कार्य संस्कृति को समझने का लाभ मिलेगा। फैकल्टी चयन में भारतीय और विदेशी शिक्षकों का संतुलित मिश्रण रहेगा। उदाहरणस्वरूप, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ने अपनी लगभग एक-तिहाई फैकल्टी मेलबर्न से लाने की घोषणा की है। शोध और नवाचार को भी विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और स्टेम विषयों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं तथा वैश्विक संसाधनों तक पहुंच विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरित करेगी। आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी विद्यार्थियों के लिए 10 से 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति की व्यवस्था भी की गई है। यद्यपि इन विश्वविद्यालयों की फीस भारतीय संस्थानों से अधिक होगी, फिर भी विदेश जाकर पढ़ाई करने की तुलना में कुल खर्च लगभग 30 से 40 प्रतिशत कम रहेगा। इससे लाखों परिवारों पर आर्थिक बोझ घटेगा। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले वर्षों में विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस देश की ज्ञान अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। इससे वैश्विक स्तर की शिक्षा, रोजगार, शोध और नवाचार के अवसर बढ़ेंगे तथा भारत से बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

निःशुल्क आयुर्वेद-नेचुरोपैथी चिकित्सा शिविर में 250 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

वाग्भट वैलनेस एवं आयुष रिसर्च सेंटर और भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 96 यूनिट रक्तदान भी हुआ संग्रहित

ऐलनाबाद | शाबाश इंडिया

वाग्भट वैलनेस एवं आयुष रिसर्च सेंटर के सौजन्य तथा भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को संगरिया स्थित करणी माता मंदिर के समीप पंचायती धर्मशाला में भव्य निःशुल्क आयुर्वेद एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आमजन को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने और रोगमुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में 250 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं प्राकृतिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान 96 यूनिट रक्तदान भी संग्रहित किया गया। प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले शिविर का शुभारंभ श्री गुरु गोबिंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वाग्भट वैलनेस एवं आयुष रिसर्च सेंटर के संस्थापक बाबूलाल जुनेजा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव डॉ. संजय जिंदल, शाखा अध्यक्ष धर्मेन्द्र अरोड़ा, सचिव राजेंद्र सैन, कोषाध्यक्ष कुलविंद्र सिंह, शाखा संयोजक अमित बाघला, एपेक्स वुमन क्लब की राष्ट्रीय निदेशक नीलम सोनी, अग्रवाल महिला मंडल की सुमन अग्रवाल, बार संघ अध्यक्ष नवीन सेठी, डॉ. राकेश सहारण सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया। शिविर में डॉ. राकेश एवं डॉ. मांगीलाल सुथार ने मरीजों की निःशुल्क जांच कर आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उपचार संबंधी परामर्श दिया। इस दौरान किडनी एवं लीवर रोग, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, मोटापा, जोड़ों एवं घुटनों का दर्द, रीढ़ की समस्याएं, स्लिप डिस्क, नसों के रोग, अस्थमा, अनिद्रा, मिर्गी सहित विभिन्न दीर्घकालिक एवं जीवनशैली जनित बीमारियों के संबंध में विशेषज्ञ सलाह प्रदान की गई। संस्थापक बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन एवं वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली है, जो व्यक्ति को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अनियमित दिनचर्या, तनावपूर्ण जीवनशैली और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में लोगों को अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना चाहिए। भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव डॉ. संजय जिंदल ने कहा कि इस प्रकार के चिकित्सा शिविर आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू ने कहा कि आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वस्थ, संतुलित और रोगमुक्त जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है तथा निःशुल्क चिकित्सा शिविर समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। शिविर प्रभारी अनिल जांदू ने बताया कि शिविर में 96 यूनिट रक्तदान संग्रहित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यकारी विकास भादू, औषधि विशेषज्ञ राजकुमार, पूजा गौड़, कमलेश, रवि कुमार, वंदना, स्नेहा, सपना, पिंकी, रेणुका, वसुंधरा, प्रियंका, पंकज, निकिता सहित नर्सिंग एवं आयुष पैरामेडिकल विभाग के विद्यार्थियों तथा वाग्भट टीम के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति बढ़ते जनविश्वास को भी रेखांकित किया।

4 जुलाई को कोटड़ा संत निलय में होगी चातुर्मास की घोषणा

किशनगढ़ जैन समाज ने आचार्य विहर्षसागर जी महाराज से धर्मनगरी में चातुर्मास का किया भावपूर्ण निवेदन

अजमेर | शाबाश इंडिया

गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं राष्ट्रसंत भारत गौरव आचार्य 108 श्री विहर्षसागर जी महाराज ससंघ (15 पिच्छी) का वर्ष 2026 का चातुर्मास धर्मनगरी किशनगढ़ में सम्पन्न हो, इसी मंगल भावना के साथ सकल दिगम्बर जैन समाज, किशनगढ़ ने श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र, नाका मदार (अजमेर) में श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट कर आचार्यश्री से भावपूर्ण निवेदन किया। इससे पूर्व ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र, नारेली में भी समाज की ओर से चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित किया जा चुका है। इस अवसर पर किशनगढ़ से 200 से अधिक श्रद्धालु बसों के माध्यम से श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र पहुंचे और आचार्यश्री के श्रीचरणों में श्रीफल समर्पित कर धर्मनगरी किशनगढ़ में चातुर्मास सम्पन्न कराने की प्रार्थना की। कार्यक्रम का मंगलाचरण कमल बैद ने किया, जबकि किशनगढ़ की ओर से चातुर्मास का औपचारिक निवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात बा. ब्र. रीना दीदी ने भजनों की मधुर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री विहर्षसागर जी महाराज ने कहा, ''जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं।'' उन्होंने कहा कि व्यवहार धर्म और निश्चय धर्म, दोनों जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं तथा सबसे बड़ा तीर्थ मन की निर्मलता है। यदि मन निर्मल हो तो प्रत्येक स्थान सम्मेद शिखर के समान पवित्र बन जाता है। उन्होंने सभी को सदैव प्रसन्नचित्त रहकर धर्ममय जीवन जीने का संदेश देते हुए कहा कि गुरु ही आत्मा को भगवान बनाने वाले सच्चे निर्माता हैं। कार्यक्रम में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश बैद, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल, मंत्री प्रदीप गंगवाल, उपमंत्री नरेश गंगवाल, प्राणेश बज, इन्द्रचंद पाटनी, कैलाशचंद पाटनी, विमल पाटनी, कमल बैद, दिलीप कासलीवाल, राजेश पांड्या, निर्मल पाटोदी, सुनील गादिया, जितेन्द्र पाटनी, सुरेश काला, मुकेश काला, जिनेन्द्र बोहरा, राजेश पाटनी, भागचंद गंगवाल, राजकुमार बड़जात्या सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रचार-प्रसार संयोजक जितेन्द्र पाटनी ने बताया कि प्रातःकाल किशनगढ़ जैन समाज के लगभग 40 श्रद्धालुओं ने ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र, नारेली से श्री जिनशासन तीर्थ क्षेत्र, नाका मदार तक आचार्यश्री के मंगल पदविहार में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

जय क्लब में सजी सूफियाना महफिल, उस्ताद जावेद हुसैन और मधु भाट ने बांधा समां

रूहानी गायकी और शानदार वाद्य प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

जयपुर। शाबाश इंडिया

जय क्लब में आयोजित 'द सूफी प्रोजेक्ट' के तहत रविवार को आयोजित भव्य संगीतमय संध्या में सूफी संगीत की सुरमयी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। प्रसिद्ध सूफी गायक उस्ताद जावेद हुसैन ने अपनी रूहानी और दिल को छू लेने वाली गायकी से कार्यक्रम का शानदार आगाज किया। उनके साथ सुप्रसिद्ध गायिका मधु भाट ने अपनी मधुर एवं सुरमयी आवाज से श्रोताओं का दिल जीत लिया। वहीं मोअज्जम हुसैन और मोहम्मद की प्रस्तुतियों ने भी महफिल में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम में संगीतकारों की बेहतरीन जुगलबंदी ने संगीतमय शाम को और भी यादगार बना दिया। मेहराज हुसैन (तबला), रेबर हुसैन (कीबोर्ड), फरीद (ऑक्टोपैड), सुनील (गिटार), आतिफ (ढोलक) तथा गुलजार हुसैन (वायलिन) ने अपनी उत्कृष्ट संगत से दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। विशेष रूप से गुलजार हुसैन की वायलिन प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर जय क्लब के अध्यक्ष डॉ. हरीओम व्यास, मानद सचिव संजय भंसाली, उपाध्यक्ष राजीव नागौरी, सेक्रेटरी (एडमिन) विकास जैन, कोषाध्यक्ष अशोक जैन, सेक्रेटरी (स्पोर्ट्स) डॉ. मनीषा जैन, कुनाल जैन सहित क्लब के पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इस संगीतमय शाम को अविस्मरणीय बताया। कार्यक्रम के समापन पर जय क्लब परिवार की ओर से उस्ताद जावेद हुसैन, मधु भाट, मोअज्जम हुसैन, मोहम्मद एवं पूरी संगीत टीम का सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में सर्व समाज सम्मेलन सम्पन्न

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया पाद प्रक्षालन, शिवपुरी-ग्वालियर आगमन का किया आग्रह

गुना। शाबाश इंडिया

मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में रविवार को गुना में सर्व समाज सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा शिवपुरी और ग्वालियर में भी पावन आगमन का विनम्र आग्रह किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि जैन दर्शन का मूल संदेश आत्मा की शक्ति को जागृत करना है। उन्होंने कहा, ''आत्मा की शक्ति को इतना प्रबल बनाओ कि यदि पूरा संसार भी विरोध में खड़ा हो जाए, तब भी कोई तुम्हारा बाल भी बांका न कर सके।'' मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति को अपने सत्य, श्रद्धा और स्वभाव में दृढ़ रहना चाहिए। दूसरों की आलोचना या विरोध से विचलित होने के बजाय अपने चरित्र को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि असत्य और विरोध स्वतः निष्प्रभावी हो जाएं। उन्होंने कहा कि धर्म किसी जाति विशेष का विषय नहीं, बल्कि श्रद्धा और आस्था का विषय है। जो व्यक्ति सच्चे मन से धर्म को अपनाता है, उसके जीवन में उसका सकारात्मक प्रभाव अवश्य दिखाई देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि परिस्थितियों, विरोधियों या अशुभ कर्मों से भयभीत होने के बजाय अपने धर्म, श्रद्धा और आत्मबल को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि मजबूत आत्मविश्वास और सच्ची श्रद्धा ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र गुना, अशोकनगर और मुंगावली के लोगों को गुरुदेव के सान्निध्य का लाभ मिल रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि गुरुदेव की कृपा अब शिवपुरी और ग्वालियर पर भी बने।

उन्होंने कहा कि सिंधिया परिवार की कई पीढ़ियों को गुरुदेव की सेवा का सौभाग्य मिला है और वे चाहते हैं कि अगली पीढ़ी को भी ग्वालियर में गुरुदेव की अगवानी का अवसर प्राप्त हो। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि लगभग 13 वर्ष बाद आयोजित सर्व समाज सम्मेलन में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों को गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इसे समाज के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण बताया। सम्मेलन के अध्यक्ष मनोज स्वराज ने सभी समाजों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। आयोजन संयोजक तरुण जैन ने कहा कि यह दिन गुना नगर के लिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों को परम पूज्य गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सम्मेलन में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और मुनिश्री के प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ उठाया।

पर्यावरण और जीव सेवा को समर्पित अनूठी पहल

संघी दम्पती ने वैवाहिक वर्षगांठ पर परिंदे लगाकर दिया सेवा संदेश

"दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सनमती के राकेश-रेणु संघी की प्रेरणादायक पहल"

शाबाश इंडिया संवाददाता

जयपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सनमती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग के सक्रिय सदस्य राकेश - रेणु संघी ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को यादगार बनाते हुए जीव दया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल संघी के मार्गदर्शन में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर अपनी वर्षगांठ मनाई।

जीव दया को दिया प्राथमिकता

इस अवसर पर संघी दम्पती ने कहा कि पक्षियों के लिए जल और दाना की व्यवस्था करना सबसे पुण्य का कार्य है। भीषण गर्मी में परिंडे से पक्षियों को राहत मिलती है और यह हमारी प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाता है।

समाज में प्रेरणा का स्रोत

निर्मल संघी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राकेश-रेणु संघी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी यह भावना अन्य परिवारों के लिए भी अनुकरणीय है।

- पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम
- जीव दया और सेवा का दिया संदेश
- समाज में सकारात्मक प्रेरणा

"पक्षियों के लिए जल और दाना की व्यवस्था करना सबसे पुण्य का कार्य है।
– राकेश - रेणु संघी"

'उड़ान 2026' ने महिलाओं के आत्मविश्वास और उद्यमिता को दी नई उड़ान

जीतो लेडीज विंग के दो दिवसीय आयोजन में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत का दिया संदेश

भीलवाड़ा। शाबाश इंडिया

जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडीज विंग द्वारा महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता को समर्पित दो दिवसीय "उड़ान 2026 बी-टू-सी" कार्यक्रम का रविवार को सफल समापन हुआ। अग्रवाल उत्सव भवन में 27 एवं 28 जून को आयोजित इस आयोजन ने महिलाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन को नई दिशा प्रदान की। जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल एवं मुख्य सचिव अर्चना पाटोदी ने कहा कि महिलाओं को यदि उचित अवसर, प्रोत्साहन और मंच मिले तो वे न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। दो दिवसीय आयोजन के दौरान महिलाओं को अपनी रचनात्मकता, कौशल एवं उद्यमशीलता प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वरोजगार, नवाचार और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। आयोजन में शहरवासियों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में महिलाओं के उत्साह, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। प्रतिभागियों ने विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन कर अपनी व्यावसायिक प्रतिभा का परिचय दिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत बनाने का संदेश दिया। आयोजन की सफलता में जीतो लेडीज विंग की टीम की किरण चोरड़िया, वनीता बाबेल, श्वेता हिरण, ऊषा काला, नीतू चोरड़िया, रजनी सिंघवी, सिम्मी पोखरना, अंकिता सेठी एवं प्रीति सुराणा सहित अनेक महिला सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन समारोह में आयोजन के प्रायोजकों अशोक सांभर, ललित बाबेल, नरेश पाटोदी एवं संतोष सिंघवी का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

पेट की गैस और जमा सारी शरीर की गंदगी को पिघलाकर बाहर कर देगा ये पानी

आमाशय एकदम हो जाएगा साफ

गर्मी में पुदीने का सेवन उसका पानी बनाकर करें तो कब्ज, गैस और एसिडिटी से छुटकारा मिलता है। पुदीने का पानी एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल गुणों से भरपूर होता है जो सेहत को बहुत फायदा पहुंचाता है। गर्मी का मौसम बेहद परेशान करता है। इस मौसम में गर्मी में होने वाली बीमारियों जैसे लू और डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक रहता है। अगर डाइट का ध्यान नहीं रखा जाए तो लेने के देने पड़ सकते हैं। गर्मी में कुछ ठंडी तासीर के फूड्स का सेवन करने से बॉडी अंदर से कूल रहती है, डिहाइड्रेशन से बचाव होता है और बॉडी को जरूरी पोषक तत्व भी मिलते हैं। गर्मी में पुदीने का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। पुदीना एक ऐसा हर्ब है जिसकी तासीर ठंडी है। इसका सेवन गर्मी में करने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। इस पानी का सेवन करने से बॉडी डिटॉक्स होती है। पुदीने की पोषण प्रोफाइल की बात करें तो इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बॉडी को हेल्दी रखते हैं और गर्मी से भी बचाव करते हैं। गर्मी में पुदीने का सेवन उसका पानी बनाकर करें तो कब्ज, गैस और एसिडिटी से छुटकारा मिलता है। पुदीने का पानी एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल गुणों से भरपूर होता है जो सेहत को बहुत फायदा पहुंचाता है। गर्मी में पुदीने का पानी पाचन को कूल करता है। गर्मी में होने वाली पाचन से जुड़ी परेशानियां जैसे गैस, अपच और एसिडिटी को दूर करता है। ये पाचन रसों को बढ़ाकर पाचन को दुरुस्त करता है। आइए जानते हैं कि गर्मी में पुदीने का पानी पीने से सेहत को कौन-कौन से फायदे होते हैं और इस पानी को कैसे तैयार किया जाता है।

पुदीने का पानी पीने से होने वाले फायदे

गर्मी में पेट की गैस, छाती आयुर्वेद का अमृत है लहसुन, इस औषधी का सेवन चबाकर या निगल कर कैसे करें? बॉडी को किस तरह मिलता है पूरा फायदाफ का सेवन पाचन को ठीक रखने में मदद करता है। अदरक औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसका सेवन करने से आपकी भूख बढ़ती है, पेट फूलने की समस्या से निजात मिलती है और गैस्ट्रिक की समस्या से राहत मिलती है। इस पानी का सेवन करने से पेट और आंतों में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

पुदीने का पानी कैसे तैयार करें

पुदीने का पानी तैयार करने के लिए आप 10-12 पुदीने की पत्तियां लें। एक नींबू को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक छोटा टुकड़ा अदरक का लें और एक चम्मच सौंफ लें। पुदीने का पानी तैयार करने के लिए आप एक गिलास पानी लें और उसमें पुदीने की पत्तियां, कटा हुआ नींबू और सौंफ के दानें डालें। इस पानी को आप अच्छे से मिक्स कर दें और उसे रात भर ढक कर रख दें। सुबह इस पानी को छान लें और उसका सुबह खाली पेट सेवन करें। ये पानी पेट को दुरुस्त करेगा और पाचन को ठीक रखेगा। आप इस पानी का सेवन दिन में दो बार करें आपको गर्मी में कब्ज से राहत मिलेगी, बॉडी हाइड्रेट रहेगी और पाचन भी दुरुस्त रहेगा। -डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद विशेषज्ञ जयपुर ।

रोटरी क्लब नसीराबाद ने कराया रोडवेज बस स्टैंड का जीर्णोद्धार

भामाशाह स्वर्गीय चवन्नीलाल गुर्जर हलवाई परिवार का सम्मान, यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

नसीराबाद। शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट के डिस्ट्रिक्ट डिज़िग्नेटेड फंड, स्वर्गीय चवन्नीलाल गुर्जर हलवाई की पुण्य स्मृति तथा भड़ाना परिवार एवं रोटरी सदस्यों के सहयोग से नसीराबाद रोडवेज बस स्टैंड का व्यापक जीर्णोद्धार कराया गया। जनहित में किए गए इस कार्य का लोकार्पण समारोह शुक्रवार को आयोजित हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निशा शेखावत ने बताया कि इस परियोजना पर लगभग 7 लाख रुपये की लागत आई है। जीर्णोद्धार के तहत बस स्टैंड के शेड का दोनों ओर विस्तार, प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्लास्टर एवं फर्शीकरण, नए दरवाजे एवं खिड़कियां, रंग-रोगन, नई विद्युत व्यवस्था, एलईडी लाइट, पंखे तथा रोडवेज स्टाफ के लिए नए फर्नीचर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर ग्रेनाइट की नई बेंचें भी स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे प्रतिदिन बस स्टैंड का उपयोग करने वाले हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। लोकार्पण समारोह में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निशा शेखावत के साथ रोटरी क्लब नसीराबाद के पदाधिकारी, सदस्य, मीडिया प्रतिनिधि तथा रोडवेज विभाग के स्थानीय प्रभारी श्याम सिंह चौहान, चतर सिंह बन्ना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर ने किया सामूहिक वृक्षारोपण

पर्यावरण सेवा माह के तहत 30 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए, वैवाहिक वर्षगांठ पर अध्यक्ष का किया सम्मान

जयपुर। शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आयोजित ''पर्यावरण सेवा माह'' (5 जून से 5 जुलाई 2026) के अंतर्गत फेडरेशन एवं रीजन के आह्वान पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर ने रविवार को वाटिका स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए समाज को प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत सभी सदस्यों ने नवग्रह मंदिर में देव दर्शन एवं भगवान मुनिसुव्रतनाथ के कलशाभिषेक के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त करते हुए की। इसके पश्चात मंदिर परिसर में सामूहिक रूप से पौधरोपण किया गया। वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत हारसिंगार, आम, अनार, अमरूद, चीकू, मौसमी, आंवला, संतरा, जामुन, शहतूत, अशोक, नीम, गुलमोहर एवं शीशम सहित कुल 30 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। पौधरोपण कार्यक्रम में सुशीला एवं विनोद बड़जात्या तथा चेतन-रेखा परिवार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय सलाहकार एवं ग्रुप के संस्थापक अनिल जैन (आईपीएस), राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं संरक्षक सुरेंद्र जैन पांड्या, ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, रीजन अध्यक्ष सुनील बज, रीजन कार्याध्यक्ष पदमचंद भांवसा, रीजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष मृदुला पांड्या, रीजन उपाध्यक्ष विनोद बड़जात्या, ग्रुप सचिव महावीर पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, कांता पाटनी, रमेश गंगवाल, विनोद झांझरी, चंद्रप्रकाश छाबड़ा, आशा सोगानी सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने कहा कि वृक्षारोपण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप अध्यक्ष

सुशीला एवं विनोद बड़जात्या की वैवाहिक वर्षगांठ भी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सभी सदस्यों ने माला पहनाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर सुशीला बड़जात्या ने सभी सदस्यों के स्नेह, शुभकामनाओं एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं वरिष्ठ सलाहकार पदमचंद भांवसा ने फेडरेशन एवं रीजन के पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन किया। अंत में वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सभी उपस्थित सदस्यों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते एवं लस्सी की व्यवस्था की गई। ग्रुप सचिव महावीर पांड्या ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

नसीराबाद में दूसरे दिन 2,235 बच्चों को पिलाई गई पल्स पोलियो की खुराक

76 प्रतिशत लक्ष्य हुआ पूरा, मंगलवार को घर-घर जाकर पिलाई जाएगी दवा

नसीराबाद। शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के तहत सोमवार को दूसरे दिन नसीराबाद क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 2,235 बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई। इसके साथ ही अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य का 76 प्रतिशत पूरा कर लिया गया। अभियान के सफल संचालन के लिए नगर क्षेत्र में 33 पोलियो बूथ स्थापित किए गए, जहां 126 वैक्सीनेटरों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने बच्चों को बूथों पर पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान को गति दी। राजकीय सामान्य चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. विनायक गौड़ एवं अभियान प्रभारी शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमप्रकाश बालोदिया ने बताया कि अभियान के तीसरे दिन मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो किसी कारणवश अभी तक अभियान से वंचित रह गए हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

कोटा थर्मल में नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर, 150 कर्मचारी हुए लाभान्वित

एम्बिएंस केरला आयुर्वेदिक हॉस्पिटल एवं कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

कोटा। शाबाश इंडिया। कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन एवं एम्बिएंस केरला आयुर्वेदिक हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर परिसर में एक दिवसीय नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित शिविर में कोटा थर्मल के अधिकारियों, कर्मचारियों, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों तथा ठेका श्रमिकों सहित 150 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच की गई। साथ ही आयुर्वेदिक थेरेपी का डेमो तथा नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण भी किया गया। डॉ. दीपा राजन, डॉ. आरजू एवं डॉ. योगराज सहित विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सकों ने अपनी टीम के साथ उपस्थित

कर्मचारियों को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के लाभ एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी। आयोजकों के अनुसार शिविर में 130 कर्मचारियों ने चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया, 75 कर्मचारियों ने विभिन्न आयुर्वेदिक थेरेपी का लाभ लिया तथा 58 कर्मचारियों की विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। शिविर में मुख्य अभियंता श्रीमती शिखा अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं संयुक्त निदेशक (कार्मिक) हरिओम अवस्थी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्रीमती शिखा अग्रवाल ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्राचीन भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को अपनाने के साथ अनुशासित जीवनशैली को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने कर्मचारियों से नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

पुश्तैनी माटी और समाज की जड़ों से जुड़े रहकर ही मिलेगी असली तरक्की : दिनेश खोड़निया

18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज के सेमिनार में प्रतिभाओं का ''समाज गौरव सम्मान'', हुमड़पुरम में सीए कोचिंग सेंटर खोलने का निर्णय

ओबरी। शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय 18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित डॉक्टर्स एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) सेमिनार में शिक्षा, उद्यमिता और समाजोत्थान को लेकर महत्वपूर्ण मंथन हुआ। इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं को ''समाज गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हुमड़पुरम में समाज के युवक-युवतियों के लिए सीए कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने का भी निर्णय लिया गया। मुख्य अतिथि एवं समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति का आधार उच्च शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकजुटता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पुश्तैनी माटी और समाज की जड़ों से जुड़े रहकर अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज तथा वागड़ क्षेत्र के विकास में करें। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी तक सीमित न रहें, बल्कि उद्योग, व्यापार, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, आयात-निर्यात और अन्य स्वरोजगार आधारित प्रकल्पों की ओर कदम बढ़ाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि युवा ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करते हैं तो समाज ''जॉइंट वेंचर'' के माध्यम से आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा क्यों न बन जाए, उसे सबसे बड़ा सम्मान अपनी समाज की जाजम पर ही मिलता है। प्रवक्ता मुकुल भुता एवं प्रदीप सेठ ने बताया कि सेमिनार में सीए निलेश संघवी, हितेंद्र सारगिया, राजेंद्र जैन, मुकेश घटलिया, राकेश मुंगानिया, कृतिक देवड़िया, सौरभ जैन, संस्कार जैन और नैन्सी सहित दो दर्जन से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने युवाओं से उच्च शिक्षा के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को अपनाने का आह्वान किया। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. शैलेंद्र जैन, डॉ. अंकेश धीरावत, डॉ. मयंक दोसी, डॉ. विपिन शाह, डॉ. विमल जैन, डॉ. संस्कार जैन, डॉ. पदमेंद्र जैन, डॉ. यश शाह एवं डॉ. राजकुमार जैन सहित कई चिकित्सकों ने समाज के सहयोग से निजी अस्पताल, आयुर्वेदिक कॉलेज एवं मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही समाजजनों के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने की घोषणा भी की। सेमिनार को परम संरक्षक बसंतलाल सर्राफ, इन्द्रमल जैन, हुकुमचंद शाह, धनपाल शाह, अशोक जैन, दीपेश लालावत, डॉ. निखिल गांधी, डॉ. पुनीत, डॉ. संस्कार जैन सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन बिजनेस डेवलपमेंट काउंसिल के संयोजक दीपेश लालावत ने दिया, जबकि संचालन महासचिव साधना कोठारी ने किया। अंत में सीए निलेश संघवी परिवार की ओर से वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य समापन, प्रतिभाओं एवं समाजजनों का हुआ सम्मान

आठ दिवसीय शिविर में बच्चों और बड़ों ने ग्रहण किए धार्मिक संस्कार, परीक्षाओं का भी हुआ आयोजन

कोडरमा। शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) एवं श्री दिगंबर जैन समाज, झुमरीतिलैया के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य पुंगव मुनि श्री 108 सुधासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से 22 जून से आयोजित आठ दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विद्वान अभिषेक जैन शास्त्री एवं सर्वेश जैन शास्त्री उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में शिविर प्रभारी संजीव जैन, पारसनाथ तथा पाठशाला प्रेरक आगम जैन (सांगानेर, राजस्थान) शामिल रहे। शिविर का शुभारंभ 22 जून को समाज के पूर्व अध्यक्ष सुशील जैन छाबड़ा द्वारा मंगल कलश स्थापना के साथ हुआ था, जबकि समाज के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन काला ने दीप प्रज्ज्वलित किया। आठ दिनों तक प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकाल आयोजित सत्रों में सैकड़ों शिविरार्थियों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान अर्जित किया। बच्चों को प्रथम से चतुर्थ स्तर तक का पाठ्यक्रम भी पढ़ाया गया। समापन दिवस पर बच्चों एवं वयस्कों की अलग-अलग श्रेणियों में परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्कार निर्माण के लिए ऐसे शिविर आवश्यक

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों नरेंद्र जैन झांझरी, राज जैन छाबड़ा, ललित जैन सेठी एवं सुरेश जैन झांझरी ने विद्वानों का तिलक, माल्यार्पण, शाल एवं पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। अपने संबोधन में विद्वानों ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कार विकसित करने के लिए ऐसे शिक्षण शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। संस्कारित पीढ़ी ही समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन आनंद जैन पांड्या ने किया, जबकि अमित जैन सेठी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में शिविर के सफल आयोजन में योगदान देने वाले आनंद जैन पांड्या, अमित जैन सेठी (मोनी), सुनीता जैन सेठी एवं नीलिमा जैन ठोल्या सहित सभी सहयोगियों का सम्मान करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा ने बताया कि शिविर का उद्देश्य नई पीढ़ी को जैन संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं धार्मिक संस्कारों से जोड़ना था, जिसमें समाजजनों का भरपूर सहयोग मिला।

जीवदया सेवा के संकल्प के साथ अभादिजैन युवा परिषद ने की गौसेवा

50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव के तहत 1,100 किलो सब्जियां, 300 किलो फल एवं 400 किलो हरा चारा कराया समर्पित

जयपुर। शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव के अंतर्गत तथा परम पूज्या गौरव गणिनी आर्यिका शिरोमणि राष्ट्र गौरव 105 ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद से परिषद की प्रतापनगर-सांगानेर संभाग, जयपुर शाखा द्वारा सोमवार प्रातः दुर्गापुरा गौशाला में जीवदया सेवार्थ गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिषद परिवार के सदस्यों ने अपने-अपने घरों से लाई गई रोटियां गौमाता को अर्पित कीं। इसके साथ ही गौशाला में 1,100 किलो सब्जियां, 300 किलो ताजे फल, 400 किलो हरा चारा तथा पक्षियों के लिए दाना समर्पित कर जीवदया का संदेश दिया। शाखा अध्यक्ष अनिल पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में युवा परिषद के 95 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गौसेवा एवं

जीवदया के माध्यम से पुण्य लाभ अर्जित किया। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य सेवा, संस्कार एवं जीवदया की भावना को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन (कोटखावदा), अभादिजैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान बड़जात्या, प्रदेश महामंत्री विमल बज, आशा बज, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, मानसरोवर की अध्यक्षा रतन सौगानी तथा गोकुल कृपा प्रॉपर्टी के जितेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में सर्वेश पाटनी 'रेलवे' (रूपाहेड़ी वाले), संजय अजमेरा, कमलेश पाटनी, विवेक जैन चौधरी एवं सुनील सौगानी ने संयोजक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे प्रत्येक माह जीवदया कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से गौसेवा करेंगे। कार्यक्रम के अंत में युवा परिषद के उपाध्यक्ष संजय शाह एवं प्रचार-प्रसार मंत्री विवेक जैन चौधरी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

पुलक मंच का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

'हमारी नई शुरुआत, ढेर सारी खुशियां' थीम पर

महिलाओं ने प्रार्थना, सांस्कृतिक गतिविधियों और हाउजी के साथ साझा किए खुशी के पल

जयपुर। शाबाश इंडिया पुलक मंच की ओर से रविवार को 'हमारी नई शुरुआत, ढेर सारी खुशियां' थीम पर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन मानसरोवर स्थित जय श्री ज्वेलर्स शोरूम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य पुलक सागर महाराज की प्रार्थना एवं वंदना के साथ हुई।

पुलक मंच की अध्यक्ष इंदिरा बड़जात्या ने बताया कि शोरूम के संचालक यश जैन एवं उनकी टीम ने तिलक लगाकर सभी महिलाओं का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने मंच की आगामी गतिबिधियों की जानकारी देते हुए पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी संयोजकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करती इंदिरा बड़जात्या।

"हमारी नई शुरुआत, ढेर सारी खुशियां"

कार्यक्रम की झलकियां

- प्रार्थना एवं वंदना से शुभारंभ
- तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत
- मंच की गतिबिधियों की जानकारी
- सरप्राइज गिफ्ट्स, हाउजी एवं मनोरंजक गतिबिधियां
- अल्पाहार की भी व्यवस्था

मंत्री सुनीता अजमेरा ने बताया कि समारोह में महिलाओं के लिए सरप्राइज गिफ्ट्स, हाउजी एवं मनोरंजक गतिबिधियों का आयोजन किया गया, जिसका सभी ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम में विधुत लुहाड़िया, बीना शाह, सारिका जैन, कुसुम बज, रिचा जैन, गुणमाला जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर स्नेह और सौहार्द का वातावरण बनाया।

स्नेह और सौहार्द का संगम

समारोह के दौरान सभी उपस्थित महिलाओं के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। अंत में मंत्री सुनीता अजमेरा ने सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया।

बच्चों ने श्रद्धाभाव से किया भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं पूजन

जैन पाठशाला के संस्कार शिविर में 60 बच्चों ने सीखी पूजन एवं अभिषेक की विधि

श्योपुर। शाबाश इंडिया

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, श्योपुर में रविवार प्रातः बच्चों के द्वारा भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं पूजन श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 8:30 बजे जैन पाठशाला के अंतर्गत किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक संस्कारों का लाभ प्राप्त किया। समाज अध्यक्ष दिलीप पाटनी ने बताया कि जैन पाठशाला प्रणेता मुनि श्री 105 अनुमान सागर महाराज की प्रेरणा से वर्ष 2022 से प्रत्येक माह के एक रविवार को बच्चों के लिए अभिषेक एवं पूजन का यह नियमित आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को जैन धर्म की परंपराओं एवं धार्मिक संस्कारों से जोड़ना है। कार्यक्रम संयोजक राकेश पाटनी ने बताया कि बच्चों को विधि-विधान के साथ अभिषेक एवं पूजन की प्रक्रिया सिखाई जाती है, ताकि उनमें बचपन से ही धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण हो सके। इस बार आयोजित कार्यक्रम में 60 बच्चों ने सहभागिता कर धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर कार्यकारिणी समिति, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में नितेश जैन, पारस जैन, नमेंद्र जैन, निमेष जैन, सुशीला बिंदायिका, मंजू पाटनी, नितिशा जैन, सुनीता जैन, पारुल जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के पुण्यार्जक श्रीमती अलका जैन एवं गर्वित जैन (प्रताप नगर, श्योपुर) रहे। अंत में सभी ने धर्म एवं संस्कारों के ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

पंचमुखी पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ छोड़ गया अमिट छाप

मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में गुना बना ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन का साक्षी

गुना। शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ (18 पिच्छिका) के सान्निध्य में आयोजित पंचमुखी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव ने गुना के धार्मिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, भव्य धार्मिक अनुष्ठानों और अनुशासित व्यवस्थाओं के बीच सम्पन्न यह आयोजन समाज की स्मृतियों में लंबे समय तक अंकित रहेगा। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच मुनिश्री ने मुंगावली से गुना तक लगभग सौ किलोमीटर का पदविहार कर धर्मप्रभावना का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके संकल्प, तप और त्याग से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी नंगे पांव पदविहार में शामिल हुए। अशोकनगर और गुना में हुए भव्य स्वागत ने श्रद्धालुओं के उत्साह को और बढ़ा दिया।

युगश्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज

इस युग का परम सौभाग्य है कि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज का अवतरण इसी कालखंड में हुआ और हमारा भी सौभाग्य है कि हमें उनके युग में जन्म लेने का अवसर प्राप्त हुआ। श्रमण संस्कृति को अपनी तपश्चर्या, ज्ञान और तेजस्विता से आलोकित करने वाले युगश्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज ने 30 जून 1968 को अजमेर में आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज से मुनि दीक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात 22 नवम्बर 1972 को आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज ने उन्हें आचार्य पद से विभूषित किया। चरित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज के उपदेशामृत ने उनके बालमन में वैराग्य के बीज बोए। उन्होंने आचार्य श्री देशभूषणजी महाराज से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण किया तथा आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के सान्निध्य में शिक्षा एवं दीक्षा प्राप्त की। आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत, मराठी, हिन्दी, कन्नड़ तथा अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं के प्रकाण्ड विद्वान थे। दर्शन, इतिहास, संस्कृति, व्याकरण, साहित्य, मनोविज्ञान तथा योग जैसे विविध विषयों पर उनका अद्वितीय अधिकार था। उनमें आशुकवित्व का विलक्षण गुण भी विद्यमान था। भव्य जीवों के आत्मकल्याण हेतु उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की। उनका महाकाव्य 'मूक माटी' देश–विदेश के विद्वानों एवं साहित्यकारों के बीच अत्यंत चर्चित रहा है। इसके अतिरिक्त 'चेतना के गहराव में', 'नर्मदा का नरम कंकर', 'डूबो मत, लगाओ डुबकी' तथा 'तोता क्यों रोता?' जैसे काव्य संग्रह भी उनकी महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं।

एक महासंत निर्यापकाचार्य श्री सुधासागर जी महाराज : आस्था, तप और जनविश्वास का अद्वितीय अध्याय

"दीवाना हूं तेरा... मेरे सुधासागर महाराज, दीवाना हूं तेरा..."

इन पंक्तियों की गूंज पिछले कई महीनों से मध्य भारत के नगरों और कस्बों में सुनाई दे रही है। जब यह भक्ति गीत मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज के विहार के दौरान वाहनों पर बजता है, तो श्रद्धालु स्वतः ही भक्ति में झूम उठते हैं। नाचते-गाते भक्तों की टोलियां जिस मार्ग से गुजरती हैं, वहां का वातावरण श्रद्धा और उत्साह से भर जाता है। अशोकनगर से प्रारंभ हुई यह आध्यात्मिक यात्रा ईसागढ़, खनियाधाना, मुंगावली, बंगला होते हुए गुना तक पहुंची। पिछले आठ महीनों से मध्य भारत के अनेक नगरों में जो दृश्य देखने को मिला, वह अभूतपूर्व रहा। हजारों श्रद्धालु अपने घर-परिवार और दैनिक कार्यों से समय निकालकर गुरुदेव के पदविहार में शामिल हुए। ऐसी जनआस्था और समर्पण का दृश्य इस क्षेत्र में विरले ही देखने को मिला है। भीषण गर्मी में लगभग सौ किलोमीटर से अधिक का पदविहार करते हुए मुनिश्री ने तप, त्याग और संकल्प का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी नंगे पैर चलते रहे। यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था और आत्मबल का जीवंत संदेश था। अशोकनगर का चातुर्मास अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। लगभग 33 वर्ष पूर्व भी मुनिश्री के चातुर्मास के दौरान यहां त्रिकाल चौबीसी जैसी भव्य रचना हुई थी, जिससे नगर को तीर्थ स्वरूप पहचान मिली। इस बार भी उनके सान्निध्य में राष्ट्रीय स्तर के अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न हुए, जिनमें देशभर से श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। यही व्यापक स्वीकार्यता उन्हें राष्ट्रव्यापी संत स्वरूप स्थापित करती है। मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज केवल प्रवचनकार ही नहीं, बल्कि धर्म, शास्त्र, जिनालय निर्माण, वास्तु एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के गहन ज्ञाता माने जाते हैं। अनेक श्रद्धालु उन्हें जैन समाज का कुशल मार्गदर्शक और आध्यात्मिक शिल्पकार मानते हैं। उनके मार्गदर्शन में देशभर में अनेक तीर्थ, जिनालय और धार्मिक परियोजनाएं साकार हुई हैं। गुना में आयोजित पंचमुखी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव ने धार्मिक इतिहास में नई मिसाल कायम की। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, करोड़ों मंत्रोच्चार और अनुशासित व्यवस्थाओं के बीच सम्पन्न यह आयोजन लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा। सर्वोदय ज्ञान तीर्थ में भगवान बाहुबली के महा-मस्तकाभिषेक सहित अनेक ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए, जिन्होंने पूरे क्षेत्र को धर्ममय बना दिया। मध्य भारत के विभिन्न नगरों से श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भागीदारी इस जनआस्था का प्रमाण रही। जबलपुर, भोपाल, इंदौर सहित अनेक शहरों से हजारों श्रद्धालु बसों और अन्य साधनों से गुरुदेव के दर्शन एवं चातुर्मास निवेदन के लिए पहुंचे। यह दृश्य बताता है कि मुनिश्री के प्रति श्रद्धालुओं का विश्वास दिन-प्रतिदिन और अधिक गहरा होता जा रहा है। वर्तमान में विभिन्न स्थानों से

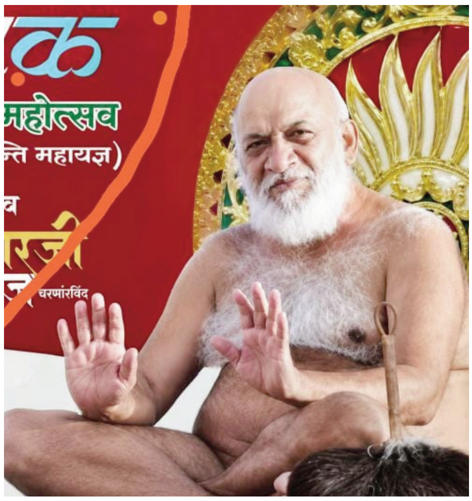

चातुर्मास के लिए निवेदन किए जा रहे हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस वर्ष गुरुदेव का चातुर्मास किस नगर को प्राप्त होगा। यह केवल किसी नगर के लिए धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ऊर्जा का एक नया अध्याय होता है।

– विजय धुर्रा
संयोजक, मध्यप्रदेश महासभा एवं मंत्री, जैन समाज, अशोकनगर (मध्यप्रदेश)

“संवाद-2026” से समन्वय, सहयोग और सेवा के नए अध्याय का शुभारंभ

रोटरी वर्ष 2026-27 की रणनीति पर मंथन, सभी क्लबों के पदाधिकारियों ने की सहभागिता

जबलपुर। शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा) की टीम ओजस्वी एवं रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''चाय पर संवाद-संवाद 2026'' कार्यक्रम आगामी रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए एक सशक्त एवं प्रेरणादायी शुरूआत साबित हुआ। होटल कृष्णा में आयोजित इस कार्यक्रम में जबलपुर के सभी रोटरी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, असिस्टेंट गवर्नर्स (एजी) एवं सिटी को-ऑर्डिनेटर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी (मध्यप्रदेश) रोटे नितिन जैन के नेतृत्व में आयोजित इस संवाद का उद्देश्य नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के बीच परिचय, समन्वय एवं सहयोग को सुदृढ़ करना, विचारों का आदान-प्रदान करना तथा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे आलम सिंह रूपरा के विजन एवं रोटरी वर्ष 2026-27 की प्राथमिकताओं से सभी क्लबों को जोड़ना था। बैठक में रोटरी के सात प्रमुख सेवा क्षेत्रों, डिस्ट्रिक्ट लक्ष्यों, वार्षिक कार्ययोजना, सेवा परियोजनाओं तथा डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड्स की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास, युवाओं की रोटरी में सहभागिता, डिजिटल नवाचार, पर्यावरण संरक्षण तथा समाजोपयोगी सेवा परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन रोटे मनीष बजाज ने दिया, जबकि रोटे शोभित वर्मा (असिस्टेंट गवर्नर 2026-27) ने प्रभावशाली मंच संचालन किया। समापन पर रोटे यश आहूजा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष रूप से आगामी अध्यक्ष रोटे मनीष बजाज, सचिव रोटे यश आहूजा, सिटी को-ऑर्डिनेटर रोटे अमित जैन, असिस्टेंट गवर्नर्स रोटे रवि वैश्य, रोटे अनिल दुबे, रोटे शोभित वर्मा, रोटे राकेश नेमा एवं रोटे शिखा पौराणिक सहित पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा। अपने संबोधन में रोटे नितिन जैन ने कहा कि ''संवाद-2026'' का उद्देश्य आगामी रोटरी वर्ष के सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के बीच परिचय, विश्वास और समन्वय की मजबूत नींव तैयार करना है, ताकि सभी क्लब सेवा, समर्पण और टीमवर्क की भावना के साथ समाजहित में प्रभावी कार्य कर सकें।

आचार्य निर्भयसागर जी महाराज ससंघ का जयपुर हाउस में भव्य मंगल प्रवेश

नेमि गिरनार धर्मयात्रा-2026 का हुआ भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं से 20 जुलाई को गिरनार पहुंचने का आह्वान

आगरा। शाबाश इंडिया। जैन समाज के लिए रविवार आध्यात्मिक उल्लास और ऐतिहासिक महत्व का दिन रहा। वैज्ञानिक संत आचार्य श्री 108 निर्भयसागर जी महाराज ससंघ का जयपुर हाउस स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर विश्व जैन संगठन की नेमि गिरनार धर्मयात्रा-2026 का भी श्रद्धाभाव से स्वागत किया गया। प्रातः सेक्टर-7 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से आचार्यश्री का मंगल विहार एवं शोभायात्रा गाजे-बाजे, भक्ति गीतों और जयघोषों के बीच प्रारंभ हुई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर आचार्यश्री का स्वागत किया। टीचर्स कॉलोनी स्थित मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं ने उनका अभिनंदन किया। इसी दौरान विश्व जैन संगठन के संयोजन में दिल्ली से निकली नेमि गिरनार धर्मयात्रा जयपुर हाउस जैन मंदिर पहुंची, जहां मंदिर समिति ने पुष्पवर्षा कर धर्मयात्रा का भव्य स्वागत किया। धर्मयात्रा रथ पर विराजमान काले पाषाण से निर्मित लगभग सवा दो फीट ऊंची भगवान नेमिनाथ की मनोहारी प्रतिमा का श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से अभिषेक एवं पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे 20 जुलाई को भगवान नेमिनाथ के निर्वाण महोत्सव पर अधिक से अधिक संख्या में बसों, रेल एवं अन्य साधनों से गिरनार तीर्थ पहुंचकर लाडू समर्पित करें तथा धर्म प्रभावना में सहभागी बनें। इसके पश्चात नेमि गिरनार धर्मयात्रा को जयपुर हाउस क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से भव्य रूप में निकाला गया। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। विश्व जैन संगठन विगत कई वर्षों से सम्मेद शिखरजी एवं गिरनार तीर्थ सहित जैन तीर्थों के संरक्षण, जागरूकता और समाज संगठन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

तीर्थंकर ग्रुप की मासिक बैठक सम्पन्न, राणीला तीर्थ यात्रा पर बनी सहमति

भक्तामर पाठ, धार्मिक प्रतियोगिताओं और सम्मान समारोह के साथ हुआ आयोजन

जयपुर। शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर, जयपुर की मासिक बैठक मानसरोवर स्थित मीरामार्ग दिगंबर जैन मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक से पूर्व सभी सदस्यों ने मंदिर की तीनों मंजिलों में विराजमान जिन प्रतिमाओं के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसके बाद आदिनाथ भवन में भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया गया तथा सभी सदस्यों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के चित्र के अनावरण से हुआ, जिसे श्रीमती शोभा पंसारी ने सम्पन्न किया। दीप प्रज्वलन के.सी. बज एवं विमला बज ने किया। इस अवसर पर शशि जैन, शोभा पंसारी, विमला बज, मैना पाटनी एवं डॉ. शांति जैन ''मणि'' ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अतिथियों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान भी किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन ''मणि'' ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसके पश्चात डॉ. शांति जैन 'मणि' ने ज्ञानवर्धक प्रश्नमंच का संचालन किया तथा धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं धार्मिक हाउजी का आयोजन किया गया। विजेताओं को ग्रुप की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। सचिव सुरेश कुमार गंगवाल ने भी विभिन्न मनोरंजक खेलों का संचालन किया और विजेताओं को सम्मानित किया। बैठक के दौरान जून माह में जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ मनाने वाले सदस्यों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। औपचारिक बैठक का शुभारंभ भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक के वाचन के साथ हुआ। अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' ने बताया कि ग्रुप की ओर से 8 एवं 9 जुलाई को राणीला तीर्थ की यात्रा आयोजित की जाएगी। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लेने की सहमति देते हुए अग्रिम राशि जमा कराई। बैठक में अन्य संगठनात्मक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

लोनावला में भीनमाल मेटल मार्केट का स्नेह मिलन, ढोल-नगाड़ों और मारवाड़ी व्यंजनों के साथ यादगार बना वीकेंड

व्यापारिक व्यस्तताओं से दूर सदस्यों ने पूल पार्टी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक संवाद का लिया आनंद

मुंबई। शाबाश इंडिया

मुंबई की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ पल सुकून के चुराते हुए भीनमाल मेटल मार्केट के सदस्यों ने लोनावला में आयोजित दो दिवसीय आउटडोर स्नेह मिलन कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में व्यापारिक व्यस्तताओं से दूर सभी सदस्य पारिवारिक एवं आत्मीय माहौल में एक-दूसरे के साथ यादगार पल बिताते नजर आए।

ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

शनिवार को लोनावला स्थित एक निजी विला में पहुंचने पर आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा, तिलक एवं मोतियों की माला पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया। स्वागत पेय के साथ हुए आत्मीय अभिनंदन ने सभी सदस्यों का मन मोह लिया। उपस्थित सदस्यों ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की।

मारवाड़ी व्यंजनों और पूल पार्टी का लिया आनंद

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक मारवाड़ी व्यंजनों के स्वादिष्ट भोज से हुई। इसके बाद विशाल स्विमिंग पूल में आयोजित पूल पार्टी, डीजे की धुनों और वॉलीबॉल जैसी मनोरंजक गतिविधियों ने माहौल को उल्लासमय बना दिया। सदस्यों ने पानी की मस्ती के बीच बचपन की यादों को ताजा करते हुए भरपूर आनंद लिया।

संगीतमय शाम ने बांधा समां

शनिवार शाम आयोजित संगीतमय कार्यक्रम में फिल्मी गीतों और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों पर सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन विक्रम दोशी ने अपने रोचक और प्रभावशाली अंदाज में किया। इस अवसर पर सभी सदस्यों का सामूहिक छायाचित्र भी लिया गया।

आयोजन समिति की रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस सफल आयोजन में दिनेश सालेचा, मुकेश दोशी, विक्रम दोशी, दिनेश मेहता, चेतन दोशी, नीरज बाफना, हितेश संघवी एवं विक्की बाफना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए विशेष रूप से चेतन दोशी एवं नीरज बाफना का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मुंबई जैसे व्यस्त महानगर में कार्यरत व्यापारियों के लिए ऐसे स्नेह मिलन आपसी रिश्तों को मजबूत करने, तनाव कम करने और नई ऊर्जा के साथ कार्य करने का अवसर प्रदान करते हैं।

आचार्य श्री सुदर्शनलाल जी म.सा. का ब्यावर में भव्य मंगल प्रवेश

सदाचार अपनाने और भ्रष्टाचार से दूर रहने का दिया संदेश

ब्यावर. शाबाश इंडिया। नानक वंश के सप्तम पट्टधर पूज्य आचार्य श्री सोहनलाल जी म.सा. की निश्रा में विचरण करने वाले नानक वंश के अष्टम पट्टधर आचार्य 1008 श्री सुदर्शनलाल जी म.सा. का रविवार को ब्यावर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। अजमेरी गेट से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु एवं गुरु भक्त उत्साहपूर्वक शामिल हुए। ''माँ भँवरी के लाल की, जय सुदर्शनलाल जी की'' के जयघोषों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री का बिरद भवन में भव्य मंगल प्रवेश कराया। मंगल प्रवेश के उपरांत आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री ने अपने प्रथम प्रवचन में कहा कि आज समाज में भ्रष्टाचार को शिष्टाचार की तरह स्वीकार किया जाने लगा है, जबकि प्रत्येक व्यक्ति को इस प्रवृत्ति से दूर रहकर सदाचार को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार व्यक्ति के चरित्र को भीतर से खोखला कर देता है, जबकि सदाचार उसे सम्मान, विश्वास और आत्मबल प्रदान करता है।

भीनमाल में 'म्हारो खाटूश्याम' फिल्म के पोस्टर का भव्य विमोचन

4 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में होगी रिलीज, हिंदी, गुजराती और राजस्थानी में बनी है फिल्म

भीनमाल। शाबाश इंडिया। श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित भव्य भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं को एक विशेष सौगात मिली। सैकड़ों श्याम भक्तों की उपस्थिति में देसाई फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'म्हारो खाटूश्याम' के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। यह फिल्म हिंदी, गुजराती और राजस्थानी–तीनों भाषाओं में एक साथ निर्मित की गई है। फिल्म के निर्देशक गोपाल देसाई तथा निर्माता संदीप देसाई हैं। श्याम बाबा के भजनों से गुंजायमान पंडाल में जैसे ही फिल्म का पोस्टर लॉन्च हुआ, पूरा परिसर 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयघोष से गूंज उठा। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म खाटूश्यामजी की महिमा, जीवन दर्शन और भक्तों की अटूट आस्था पर आधारित है। तीन भाषाओं में निर्माण होने से यह फिल्म देशभर के व्यापक दर्शक वर्ग तक बाबा श्याम का संदेश पहुंचाएगी।

4 सितंबर को होगी देशव्यापी रिलीज

पोस्टर विमोचन के साथ ही निर्मातओं ने घोषणा की कि फिल्म आगामी 4 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में एक साथ प्रदर्शित की जाएगी। इस घोषणा के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं और श्याम भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्याम मित्र मंडल के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि यह फिल्म प्रत्येक श्याम भक्त के लिए एक आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव सिद्ध होगी।

ब्यावर का बढ़ा गौरव, सुनील खेतपालिया को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान की सराहना की

ब्यावर। शाबाश इंडिया

राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर के अध्यक्ष, प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी सुनील खेतपालिया को शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जयपुर में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सुनील खेतपालिया को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने उनके शिक्षा, सामाजिक सरोकारों एवं जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) राजेश यादव (आईएएस), विशेष सचिव विश्व मोहन शर्मा (आईएएस), राज्य परियोजना निदेशक एवं समग्र शिक्षा आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा (आईएएस) तथा माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट (आईएएस) सहित प्रदेशभर से आए शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सुनील खेतपालिया के नेतृत्व में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षणिक नवाचार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा, गौसेवा एवं जनकल्याण की विभिन्न गतिविधियों में भी उनका योगदान सराहनीय माना जाता है, जिससे हजारों विद्यार्थियों एवं जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिल रहा है। समारोह में शिक्षा क्षेत्र में वर्षों से उल्लेखनीय योगदान देने वाले दानवीर भामाशाह प्रवीण चंदन को भी सम्मानित किया गया। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता, शैक्षणिक संस्थानों के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा सामाजिक कल्याण के कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका की भी सराहना की गई। सुनील खेतपालिया को सम्मान मिलने पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद बिनायकिया, मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख, सहमंत्री सुनील ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष देवराज लोढ़ा, प्रचार मंत्री महेन्द्र सांखला, समिति के समस्त सदस्यगण एवं प्राचार्य ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष की पुण्यतिथि पर 200 से अधिक गोवंश की सेवा

लायंस क्लब अजमेर आस्था ने जीवदया के तहत अशक्त गौवंश को हरा चारा एवं गुड़ अर्पित किया

अजमेर। शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा क्लब के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय संपत सिंह जैन की द्वितीय पुण्यतिथि पर जीवदया के अंतर्गत नागफानी स्थित आनंद गोपाल गौशाला में सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर 200 से अधिक अशक्त एवं निराश्रित गोवंश को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि सेवा कार्यक्रम का संयोजन पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन ने किया। कुमट परिवार के सहयोग से आयोजित इस सेवा कार्य में उपस्थित सदस्यों ने स्वर्गीय संपत सिंह जैन की पुण्य स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने कहा कि जीवदया भारतीय संस्कृति की अमूल्य परंपरा है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे अवसर मिलने पर गोवंश सहित सभी जीवों की सुरक्षा एवं सेवा में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में करुणा, संवेदनशीलता और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में लायन पदमचंद जैन, लायन अतुल पाटनी, श्रीमती मंजू देवी कुमट, विकास जैन, बरखा जैन, स्वाति जैन, दक्ष कुमट एवं नक्ष कुमट सहित क्लब के अनेक सदस्यों ने अपने हाथों से गोवंश को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर जीवदया की भावना को साकार किया।

वर्द्धमान कॉलेज में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी आयोजित

छात्राओं को सांख्यिकी के महत्व एवं प्रो. पी.सी. महालनोबिस के योगदान से कराया अवगत

ब्यावर। शाबाश इंडिया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं ऑनलाइन सांख्यिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सांख्यिकी विषय के प्रति रुचि विकसित करना तथा भारत के महान सांख्यिकीविद प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस के योगदान से उन्हें परिचित कराना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय नीतियों के निर्माण, आर्थिक योजना, सामाजिक विकास और सुशासन में सांख्यिकी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल एवं डेटा-आधारित युग में सांख्यिकी केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि सटीक निर्णय लेने और विकास की दिशा तय करने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की व्याख्याता डॉ. रोमा रतानी एवं अर्थशास्त्र विभाग के व्याख्याता सुनील ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस की महत्ता, प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जीवन, उनके योगदान तथा वर्तमान समय में सांख्यिकी की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की व्याख्याता मानवी गोयल ने किया। इस अवसर पर प्रीति शर्मा, पंकज शर्मा, लविना ज्ञानचंदानी सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

जन्म और मृत्यु के बीच जीवन का उद्देश्य जानना ही मानव का सच्चा पुरुषार्थ : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भव्य कलश यात्रा के साथ बापूनगर में हुआ युवाचार्यश्री का मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा। शाबाश इंडिया। श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन केवल भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व, जीवन के उद्देश्य और आत्मजागरण को समझने के लिए मिला है। यदि व्यक्ति जन्म और मृत्यु के बीच अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य को पहचान ले, तो उसका जीवन सार्थक बन सकता है। वे बापूनगर स्थित महावीर भवन में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे। युवाचार्यश्री ने कहा कि विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों के क्षेत्र में मानव ने अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन वह अपने जीवन के मूल उद्देश्य से दूर होता जा रहा है। भोजन, निद्रा और भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तो पशु-पक्षी भी कर लेते हैं, किंतु विवेक, संवेदना और पुरुषार्थ की जो दिव्य क्षमता मनुष्य को प्राप्त हुई है, उसे पहचानना और जागृत करना ही मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता है। उन्होंने एक चिकित्सक और रोगी का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि रोगी दवा लेकर उसका सेवन ही न करे, तो उपचार संभव नहीं है। उसी प्रकार मनुष्य जिनवाणी, आगम और धर्मोपदेशों का श्रवण तो करता है, लेकिन उन्हें अपने व्यवहार और आचरण में नहीं उतारता। धर्म तभी सार्थक है, जब वह जीवन का हिस्सा बने। युवाचार्यश्री ने कहा कि जिस प्रकार परीक्षा के समय बच्चों से अधिक चिंता उनके माता-पिता को होती है, उसी प्रकार परमात्मा की वाणी भी मनुष्य को सही मार्ग पर चलाने का प्रयास करती है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से यह प्रश्न करे कि वह किस उद्देश्य से जीवन जी रहा है और उसकी जीवन यात्रा किस दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वार्थ, नकारात्मकता और संवेदनहीनता बढ़ रही है, जिससे मनुष्य के भीतर की करुणा कमजोर होती जा रही है। जबकि करुणा और संवेदनशीलता ही मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती हैं तथा कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि विवेक मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। जैसे हाथी की अपार शक्ति का संचालन उसका मस्तिष्क करता है, उसी प्रकार मनुष्य के विचार, वाणी और आचरण का संचालन विवेक करता है। विवेक जागृत हो तो जीवन सही दिशा में आगे बढ़ता है, अन्यथा व्यक्ति उपलब्धियों के बीच भी अपने वास्तविक लक्ष्य से भटक जाता है।

लायन मुकेश कर्णावट 'शिक्षा श्री' सम्मान से अलंकृत

जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा एवं समाजसेवा के लिए मिला सम्मान

अजमेर। शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट को शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 'शिक्षा श्री' की उपाधि से सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में संयुक्त निदेशक डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद नारायण शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी दर्शना शर्मा ने उन्हें माल्यार्पण, साफा पहनाकर, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए प्रदान किया गया। उनके नेतृत्व में लायंस क्लब अजमेर आस्था ने विशेष रूप से अजमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए अनेक जनहितकारी सेवा प्रकल्प संचालित किए।

• जैन मिलन महिला अंजना शाखा का प्रेरणादायी आयोजन •

परेड जैन मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

"ऐसे संस्कार शिविर नई पीढ़ी को धर्म, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।"

प्रतिभागी बच्चों व शिक्षकों का किया गया सम्मान

भिंड। शाबाश इंडिया। जैन मिलन महिला अंजना शाखा के तत्वावधान में परेड स्थित पुस्तक बाजार के श्री दिगंबर जैन मंदिर में सात दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य समापन हुआ। भारतीय जैन मिलन क्रमांक-2 के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में बच्चों को जैन धर्म, संस्कृति एवं नैतिक संस्कारों की शिक्षा प्रदान की गई।

कार्यक्रम की विशेष बातें

- उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले बच्चों को तिलक, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं उपहार दे कर सम्मानित किया गया।
- कपिल जैन शास्त्री का तिलक, शॉल एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान, साथ ही 2,100 रूपये की सम्मान राशि भेंट की गई।
- श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के लिए 5,100 रूपये का सहयोग समर्पित किया गया।
- कीर्ति स्तंभ परिसर में बच्चों, शाखा व आयोजन समिति का राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने सम्मान किया।
- शिविर की संयोजक वीरा स्नेहलता जैन का विशेष सम्मान।

"धर्म और संस्कृति के बीज जब बालमन में बोए जाते हैं, तभी समाज का भविष्य उज्ज्वल बनता हैं।"

वीरा मीरा जैन, माया जैन, मंत्री रेणू जैन, शर्मिला जैन, कुसुम जैन, मंजू जैन, शालिनी जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं महिला सदस्य उपस्थित रहे।

गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन पर सेवा का संगम, खंडेलवाल युवा परिषद ने जैन सोशल ग्रुप के साथ यात्रियों को पिलाया शीतल शरबत

18 वर्षों से निरंतर चल रही जल सेवा में सामाजिक संगठनों ने निभाई सहभागिता

गंगापुर सिटी। शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी में रेल यात्रियों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन पर रविवार को सेवा और सहयोग का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा पिछले 18 वर्षों से अप्रैल से जून माह तक संचालित की जा रही निःशुल्क जल सेवा में इस बार खंडेलवाल युवा परिषद ने भी सहभागिता निभाई। दोनों संगठनों के सदस्यों ने अपने हाथों से यात्रियों को शीतल जल एवं शरबत पिलाकर मानव सेवा का संदेश दिया। खंडेलवाल वैश्य समाज समिति की इकाई खंडेलवाल युवा परिषद के अध्यक्ष अंशुल खंडेलवाल (डंगायच) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा, महिला सदस्य एवं गणमान्य नागरिक रेलवे स्टेशन पहुंचे। सभी ने गर्मी से परेशान यात्रियों को शीतल जल एवं शरबत वितरित किया। इस सेवा कार्य से यात्रियों ने राहत महसूस की और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दोनों संगठनों ने किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान खंडेलवाल युवा परिषद ने दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, जल सेवा संयोजक धर्मेंद्र जैन पांड्या, सहसंयोजक दीपक गोयल एवं योगेंद्र जैन का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। वहीं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की ओर से परिषद अध्यक्ष अंशुल खंडेलवाल तथा अंतरराष्ट्रीय वैश्य महिला महासम्मेलन की वरिष्ठ पदाधिकारी कुशला खूंटेटा सहित परिषद के सभी सदस्यों का स्वागत किया।

18 वर्षों से अनवरत जारी है जल सेवा

ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि संस्था पिछले 18 वर्षों से ग्रीष्मकाल में लगभग ढाई माह तक रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन निःशुल्क जल सेवा संचालित कर रही है। इस सेवा के माध्यम से प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों को ठंडा पानी एवं शरबत उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का दायित्व चेतन मोदी, गिरीश सांवरिया एवं तनिष्क सोखिया ने संभाला। मंत्री जयप्रकाश डांस ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

'प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म'

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की महामंत्री कुशला खूंटेटा ने कहा कि लगातार ढाई महीने तक जल सेवा करना अत्यंत प्रेरणादायी कार्य है और इससे गंगापुर सिटी की सेवा भावना पूरे क्षेत्र में मिसाल बन रही है। परिषद अध्यक्ष अंशुल खंडेलवाल ने कहा कि तपती गर्मी में प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है। यह सेवा भगवान की सच्ची पूजा के समान है। समाज समिति अध्यक्ष कैलाश खूंटेटा ने भी समाजहित के ऐसे कार्यों में सभी से सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विनोद खंडेलवाल, वीरेंद्र आर्य नमन, सुनील गोयल, कुलदीप गोयल, विशाल सामरिया, अतुल डंगायच, प्रमोद मोदी, शगुन रावत, आदर्श मेहरवाल, हर्ष मेहरवाल, दीपक दुसाद, विनोद माचीवाल, रेनु आर्य, पूजा खंडेलवाल, सारिका माचीवाल, सीता डंगायच, अनीता दुसाद, पूजा राजोरिया, ज्योति डंगायच, अंजना रावत सहित दोनों संगठनों के अनेक पदाधिकारी एवं जल सेवक उपस्थित रहे।

जेएसजी सिद्धा परिवार ने सामूहिक रूप से देखी 'वेलकम टू द जंगल' फिल्म

संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया

जयपुर। शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप (जेएसजी) सिद्धा परिवार द्वारा रविवार को पीवीआर इनॉक्स, पिंक स्क्वायर मॉल, जनता कॉलोनी में मनोरंजन एवं पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिद्धा परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से 'वेलकम टू द जंगल' फिल्म का आनंद लिया तथा संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया। संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी, संस्थापक सदस्य सीमा पाटनी तथा अध्यक्ष सौरव गोधा एवं रतिका गोधा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य परिवार के सदस्यों के बीच आपसी आत्मीयता, संवाद और सौहार्द को मजबूत करना था। कार्यक्रम की शुरूआत पिंक स्क्वायर मॉल स्थित फूड जोन में सामूहिक नाश्ते से हुई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष निर्मल पांड्या, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश काला, सचिव संगीता छाबड़ा, उपाध्यक्ष अंजन जैन, सहसचिव वीरेंद्र काला सहित सभी दंपति सदस्यों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जेएसजी सिद्धा परिवार से जुड़े नए सदस्य मनोज जैन एवं प्रियंका जैन, समाजसेवी राकेश गोधा एवं नीलू गोधा तथा पत्रकार आलोक जैन का सपत्नीक स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके बाद सभी सदस्यों ने पीवीआर इनॉक्स में 'वेलकम टू द जंगल' फिल्म का सामूहिक रूप से आनंद लिया। हंसी-खुशी और मनोरंजन से भरपूर माहौल में सदस्यों ने यादगार पल बिताए। कार्यक्रम संयोजक मोनेश गंगवाल, सोनिया गंगवाल, अभिषेक जैन, चित्रा जैन, ज्ञान जैन, सपना जैन, अंकित जैन एवं शिवानी जैन ने बताया कि इसी दिन संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी का जन्मदिन भी था। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने उन्हें तिलक लगाकर, माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया तथा केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन समारोह के बाद सभी ने सामूहिक दोपहर के भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में संयोजकों ने उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे पारिवारिक एवं सामाजिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया।

जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानव सेवा : आदिनाथ महिला मंडल

कुचामन। शाबाश इंडिया। आदिनाथ महिला मंडल, नागौरी नसिया जी, कुचामन की महिला सदस्यों ने रविवार को आयोजित बैठक में आगामी 4 एवं 5 जुलाई को कुचामन में होने वाले भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गईं। बैठक के पश्चात महिला मंडल की सदस्याएं अपना घर पहुंचीं, जहां निवासरत लाचार, बीमार एवं निराश्रित जनों की सेवा करते हुए उन्हें अपने हाथों से भोजन कराया। इस दौरान सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना भी की गई। महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंद, असहाय एवं पीड़ित लोगों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा है। सेवा, करुणा और संवेदनशीलता समाज को जोड़ने वाले सबसे बड़े संस्कार हैं, जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस सेवा कार्य में किरण झांझरी, इन्द्रा जैन, कविता जैन, खुशबू जैन, सुशीला बज, संतोष जैन, इन्द्रा पहाड़िया, विमला काला, भवरी देवी पाटोदी एवं अलका गंगवाल सहित महिला मंडल की अनेक सदस्याओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

नाम नहीं, काम बोलता है : डॉ. किशोर कुमार अरोड़ा ने तीन माह में अकेले साफ किया ढाई लाख वर्गफीट का सूरज मैदान

जयपुर। शाबाश इंडिया। पेशे से चिकित्सक एवं पर्यावरण विशेषज्ञ (इन्वायरनमेंट एक्टिविस्ट) डॉ. किशोर कुमार अरोड़ा को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए राजापार्क स्थित सूरज मैदान में सम्मानित किया गया। उन्होंने लगभग तीन माह के अथक परिश्रम से अकेले ही करीब 2.5 लाख वर्गफीट क्षेत्र में फैले सूरज मैदान को जंगली घास, कांटेदार झाड़ियों और कचरे से मुक्त कर स्वच्छ एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि सूरज मैदान लंबे समय से जंगली घास, कांटेदार झाड़ियों, प्लास्टिक की बोतलों, पॉलीथीन, गुटखा पाउच एवं अन्य कचरे से अटा पड़ा था। जबकि यह मैदान खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों के लिए भी प्रमुख स्थान है। मैदान की बदहाल स्थिति को देखकर उन्होंने स्वयं सफाई अभियान शुरू करने का संकल्प लिया और प्रतिदिन श्रमदान करते हुए फावड़े की सहायता से पूरे मैदान को चरणबद्ध तरीके से साफ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास सफाई रखने का संकल्प ले, तो स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से गंदगी फैलाने के बजाय स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि गंदगी न केवल शारीरिक बीमारियों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानसिक तनाव का भी कारण बनती है। सूरज मैदान में आयोजित सम्मान समारोह में सीनियर सिटीजन क्लब की ओर से सुभाष बत्रा एवं प्रेम मदान ने डॉ. किशोर कुमार अरोड़ा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सिख जागृति के संपादक ओंकार सिंह, जे.आर. गुप्ता, राठी फौजी, चंद्रप्रकाश भाटिया, बॉक्सिंग कोच राजू एवं कबड्डी कोच विनय खिलाड़ी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग ने अनाथाश्रम को भेंट की उपयोगी सामग्री

आशा भवन में कपड़े एवं आवश्यक वस्तुएं वितरित कर दिया सेवा का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग की ओर से शनिवार को सामाजिक सरोकारों के तहत आशा भवन अनाथाश्रम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनाथाश्रम के बच्चों एवं जरूरतमंदों के लिए कपड़े तथा अन्य दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री भेंट की गई। संभाग अध्यक्ष अजीत बड़जात्या एवं शकुन बड़जात्या ने बताया कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना महासमिति का प्रमुख उद्देश्य है। इसी भावना के साथ आशा भवन अनाथाश्रम में उपयोगी सामग्री वितरित कर सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल के निवर्तमान अध्यक्ष उत्तम कुमार पांड्या एवं सरोज पांड्या, रंजना बोहरा, मालवीय नगर संभाग के सहसचिव विनोद जैन एवं मधु जैन, युवा प्रकोष्ठ मंत्री कोणार्क काला, सांस्कृतिक सचिव शैफाली जैन, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद जैन, रमेश पहाड़िया, मुकेश बागायत, सेक्टर-2 इकाई की अध्यक्ष सुज्योति जैन, संरक्षक सदस्य पदमचंद जैन तथा रोहित जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। महासमिति के कोषाध्यक्ष अरुण काला एवं मंजू काला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा कार्य के उपरांत सभी ने अल्पाहार ग्रहण किया।

तीये की बैठक

हमारे पूज्यनीय पिताजी

स्व. श्री प्रेम कुमार जी जैन (बिलाला)

का दिनांक 28 जून 2026 को स्वर्गवास हो गया।

तीये की बैठक

दिनांक: 30 जून 2026 (मंगलवार)

समय: प्रातः 9:00 बजे

स्थान: दिगम्बर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर, जयपुर

शोकाकुल परिवार:-

आलोक जैन (पुत्र)
संजय- प्रियंका (पुत्र- पुत्रवधू)
शकुंतला- संतोष जैन (पुत्री- दामाद) | रेनू- रविंन्द (पुत्री- दामाद)
आरती- सुनील पहाड़िया (पुत्री- दामाद)
मेहुल, याहना, सौम्य (पौत्र- पौत्री)
अनीश, तनीश, शुभम- कनिका, अरिहंत- गुनिमा (दोहिता- बहू)
सोनाक्षी- शिखर सेठी (दोहिती- जवाई) | मिश्का सेठी (पड़दोहती)

एवं समस्त बिलाला परिवार (आकोड़िया वाले)
ससुराल पक्ष- सतीश, स्वप्निल भांवसा

मो.: 9351325567